>

Title: Need to provide financial assistance to Shimla under National Urban Renewal Mission for Gravity Drinking Water Supply Scheme.

श्री वीरेन्द्र कश्यप (शिमला): गत वर्षों से शहरों की आबादी बढ़ रही है जिसके कारण वहां की पीने के पानी की व्यवस्था चरमरा गयी है। इसी दृष्टि से मैं अपने निर्वाचन क्षेत्र शिमला शहर की इस समस्या के बारे में आपका ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं। केन्द्र की सरकार नेशनल अर्बन रिन्युअल मिशन लाई है, जो एक बहुत अच्छी स्कीम है जिसके माध्यम से इस प्रकार की समस्याओं का समाधान हो सकता है।

* Not recorded.

हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला एक बहुत सुन्दर, ठंडा, हरा-भरा तथा हिमालय की ऊंची-ऊंची पहाड़ी श्रृंखलाओं में समुद्र तल से लगभग 6500 फुट की ऊंचाई पर बसा हुआ अत्यंत आकर्षक शहर है। यह ब्रिटिश शासन काल में ब्रिटिशर्स की ग्रीष्मकालीन राजधानी रहा था। अब हिमाचल प्रदेश की राजधानी है। राजधानी होने के साथ-साथ यह एक पर्यटक नगरी भी है, जिसके कारण यहां की आबादी काफी बढ़ चुकी है और यहां पेयजल की समस्या उत्पन्न हो रही है।

महोदया, पीने के पानी की समस्या से निपटने के लिए प्रदेश सरकार ने एक ग्रेविटी ड्रिंकिंग वाटर सप्लाई स्कीम बनाई है। इसकी डिटेल्ड प्रोजेक्ट रिपोर्ट तैयार करने एवं इसे बनाने हेतु केंद्र सरकार के योजना आयोग एवं शहरी विकास मंत्रालय ने एक्ट्रीमली एडेड प्रोजेक्ट के रूप में वित्त मंत्रालय से केंद्रीय सहायता हेतु संस्तुति की थी।

महोदया, प्रदेश सरकार ने भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (डीईए) से वर्ष 2008 की अंतिम तिमाही में आग्रह किया था कि उक्त परियोजना हेतु आर्थिक सहायता देने के लिए अगले वर्ष यानी वर्ष 2009 की परियोजनाओं में शामिल किया जाए और तदनुसार वांछित सहायता दी जाए।

महोदया, मुझे खेद के साथ सदन में बताना पड़ रहा है कि अभी तक भारत सरकार के संबंधित मंत्रालय ने सैद्धांतिक स्वीकृति भी प्रदान नहीं की है। अतः मेरा आपके माध्यम से निवेदन है कि शिमला शहर हेतु ग्रेविटी ड्रिंकिंग वाटर सप्लाई स्कीम के लिए तथ्काल सैद्धांतिक स्वीकृति प्रदान करते हुए वांछित धनराशि स्वीकृत और निर्गत की जाए, ताकि इस परियोजना का डीपीआर तैयार हो सके और इसका काम आगे बढ़ सके।